विश्व खाद्य पुरस्कार 2022

हाल ही में **विश्व खाद्य पुरस्कार फाउंडेशन** ने **विश्व खाद्य पुरस्कार 2022** की विजेता संयुक्त राज्य अमेरिका की **डॉ सिंथिया रोसेनज़्विग** के नाम की घोषणा की।

- रोसेनज़्विग को उनके शोध 'जलवायु और खाद्य प्रणालियों के बीच संबंधों को समझने तथा भविष्य में दोनों कैसे बदलेंगे एवं इसका पूर्वानुमान' के लिये पुरस्कार हेतु चुना गया।
- वर्ष 2021 में प्रमुख पोषण विशेषज्ञ डॉ. शकुंतला हरक सिंह थिल्स्टेड ने पुरस्कार जीता और वर्ष 2020 में भारतीय अमेरिकी मृदा वैज्ञानिक डॉ. रतन लाल ने पुरस्कार जीता।

//

विश्व खाद्य पुरस्कार:

- **उद्देश्य:**
  - विश्व खाद्य पुरस्कार विश्व में भोजन की गुणवत्ता, मात्रा या उपलब्धता में सुधार कर उन्नत मानव विकास करने वाले व्यक्तियों की उपलब्धियों को मान्यता देने हेतु प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय सम्मान है।
- **शामिल विषय क्षेत्र:**
  - यह एक वार्षिक पुरस्कार है जो विश्व खाद्य आपूर्ति में योगदान देने वाले किसी भी क्षेत्र, जैसे- पौधे, पशु और मृदा विज्ञान, खाद्य विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी, पोषण एवं ग्रामीण विकास आदि को मान्यता देता है।
- **पात्रता:**
  - इसकी पात्रता जाति, धर्म, राष्ट्रीयता या राजनीतिक मान्यताओं की परवाह किये बिना सभी व्यक्तियों के लिये खुली है।
- **नकद पुरस्कार:**
  - पुरस्कार विजेता को 2,50,000 अमेरिकी डॉलर के नकद पुरस्कार के अलावा प्रसिद्ध कलाकार और डिजाइनर, शाऊल बास द्वारा डिज़ाइन की गई एक मूर्ति प्रदान की जाती है।
- **पुरस्कार की प्रस्तुति:**
  - यह पुरस्कार प्रत्येक वर्ष **अक्तूबर** में संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य दिवस (16 अक्तूबर) पर या उसके आसपास प्रस्तुत किया जाता है।
  - इसे **विश्व खाद्य पुरस्कार फाउंडेशन** द्वारा प्रस्तुत किया जाता है, जिसमें 80 से अधिक कंपनियाँ, व्यक्ति आदि दानकर्त्ताओं के रूप में शामिल हैं।
  - वर्ल्ड फूड प्राइज़ फाउंडेशन अमेरिका के **डेस मोइनेस (Des Moines)** में स्थित है।
- **पृष्ठभूमि:**

- वैश्वकि कृषि में अपने काम के लयि वर्ष 1970 में **नोबेल शांति पुरस्कार** वजिता डॉ. नॉर्मन ई. बोरलॉग ने **वशि्व खाद्य पुरस्कार** पुरस्कार की कल्पना की थी।
    - इन्हें **हरति क्रांति** के जनक के रूप में भी जाना जाता है।
- वशि्व खाद्य पुरस्कार (जनरल फूड्स कॉरपोरेशन द्वारा प्रायोजति) की शुरुआत वर्ष 1986 में की गई थी।
- इसे "खाद्य और कृषि के लयि नोबेल पुरस्कार" (Nobel Prize for Food and Agriculture) के रूप में भी जाना जाता है।
- डॉ. एम.एस. स्वामीनाथन जन्हिें भारत में हरति क्रांति के जनक के रूप में जाना जाता है, वर्ष 1987 में इस पुरस्कार को प्राप्त करने वाले पहले व्यक्ति थे।

स्रोत: द हिंदू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/world-food-prize-2022

दृष्टि The Vision